प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

गृह विज्ञान इकाई द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन

विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना, गृह विज्ञान इकाई द्वारा ग्रामीण महिलाओं का स्वास्थ्य एवं सेहत–अच्छी पोषण स्थिति की ओर एक कदम नामक शीर्षक पर सात–दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम चकफेरी कालोनी में आरम्भ किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन गृह विज्ञान महाविद्यालय द्वारा 2–8 फरवरी तक किया जाएगा। उक्त प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को उनके स्वास्थ्य एवं सेहत के प्रति जागरूक करना है।

इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डा. अल्का गोयल, अधिष्ठात्री, गृह विज्ञान महाविद्यालय एवं विशिष्ट अतिथि, डा. अभिषेक तोमर, राष्ट्रीय सेवा योजना, प्रोग्राम कॉर्डिनेटर थे। प्रथम दिन का विषय अन्तर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 था। वर्ष 2023 को अन्तर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने साल 2023 को अन्तर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष घोषित किया है।

इस अवसर पर डा. अल्का गोयल ने प्रशिक्षणार्थियों को बताया की भारतीय किसानों की मेहनत के परिणाम स्वरूप भारत आज मोटा अनाज (मिलेट्स) का बड़ा उत्पादक है। मोटे अनाज की पैदावार संपूर्ण भारत वर्ष में होती है। मोटे अनाज को इम्यूनिटी बूस्टर या सुपरफूड भी कहते है।

डा. सोनू रानी, राष्ट्रीय सेवा योजना, प्रोग्राम ऑफिसर ने विभिन्न प्रकार के मोटे अनाज, जैसे ज्वार, बाजरा, जौं, मडुआ, कौंशी, झंगोरा आदि के बारे में बताया। मोटा अनाज में कैल्शियम, आयरन, जिंक, मैग्नीशियम आदि तत्व पाये जाते है। उन्होंने ग्रामीण महिलाओं को मोटा अनाज के सेवन से होने वाले लाभों के बारे में बताते हुए कहा कि मोटा अनाज मधुमेह को रोकने में सक्षम है तथा मोटा अनाज पाचन क्रिया में भी सुधार करता है। उक्त कार्यक्रम में डा. रागिनी मिश्रा, सहायक प्राध्यापक, मानव विकास अध्ययन एवं विभाग, डा. प्रतिभा, सहायक प्राध्यापक, उद्यान विभाग ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर एन.एस.एस. स्वयं सेवकों ने चकफेरी कालोनी एवं विश्वविद्यालय परिसर में रैली निकाली एवं नारे लगाकर जन समूह को मोटा अनाज के संदर्भ में जागरूक किया।

शिविर में महिलाओं को मोटे अनाजों की जानकारी देते वैज्ञानिक।